वर्ष : 6, अंक : 261 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, शुक्रवार
29 अक्टूबर, 2021
मूल्य ₹ 3.00

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
www.shashwattimes.com

जैविक सब्जी उगाकर आत्मनिर्भर बने महिलाएंः डॉ खलील खान

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में संचालित पांच दिवसीय महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर आज डा.महक सिंह, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, पादप प्रजनन द्वारा मोटा अनाज बढ़ाये रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं तिलहनी फसलों की गुणवत्ता पर व्याख्यान दिया। डा. पी.के. राठी, सह निदेशक प्रसार ने मृदा एवं जल संरक्षण पर वार्ता देते हुए बताया कि भूमि को खाली न रखा जाय तथा घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में रोका जाए जिससे मृदा एवं जल संरक्षण किया जा सकता है। डा.खलील खांन, वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान ने जैविक खेती पर विस्तृत जानकारी दी साथ ही जैविक खाद तैयार करने की विधियां बताई। उन्होंने बताया कि जैविक खेती से मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। साथ ही पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। डा.साधना पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक, आई सी एस आर ने पोषण सम्बंधित कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रोफेसर डा. एस .के. विश्वास, प्राध्यापक, पादप रोग विज्ञान विभाग ने मशरूम उत्पादन तकनीक पर विस्तृत जानकारी दी साथ ही बताया कि आय वृद्धि हेतु मशरूम उत्पादन का उत्तम व्यवसाय है। प्रशिक्षण आयोजन का डा.आशा यादव एवं डा.एस.बी.पाल ने बहुत बहुत ही कुशलता से प्रबंधन किया।

/2021 9:50 PM Page 1
कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 13 अंक : 119 कानपुर, शुक्रवार 29 अक्टूबर, 2021 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण के चतुर्थ दिवस पर तिलहन फसलों की गुणवत्ता में दिया व्याख्यान

कानपुर । सीएसए प्रसार निदेशालय में संचालित पांच दिवसीय महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर आज डा.महक सिंह , प्राध्यापक एवं अध्यक्ष , पादप प्रजनन द्वारा मोटा अनाज बढ़ाये रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं तिलहनी फसलों की

गुणवत्ता पर व्याख्यान दिया । डा. पी.के. राठी , सह निदेशक प्रसार ने मृदा एवं जल संरक्षण पर वार्ता देते हुए बताया कि भूमि को खाली न रखा जाय तथा घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में रोका जाए जिससे मृदा एवं जल संरक्षण किया जा सकता है । डा.खलील खांन , वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान ने जैविक खेती पर विस्तृत जानकारी दी साथ ही जैविक खाद तैयार करने की विधियां बताई। उन्होंने बताया कि जैविक खेती से मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। साथ ही पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। डा.साधना पाण्डेय , प्रधान वैज्ञानिक , आई सी एस आर ने पोषण सम्बंधित कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला गया । प्रोफेसर डा. एस .के.बिश्वास , प्राध्यापक , पादप रोग विज्ञान विभाग ने मशरूम उत्पादन तकनीक पर विस्तृत जानकारी दी साथ ही बताया कि आय वृद्धि हेतु मशरूम उत्पादन का उत्तम व्यवसाय है । प्रशिक्षण आयोजन का डा.आशा यादव एवं डा.एस.बी.पाल ने बहुत बहुत ही कुशलता से प्रबंधन किया ।

अमर उजाला
शुक्रवार • 29.10.2021 05
kanpur.amarujala.com

सीएसए में नव प्रवेशी छात्रों को लगाने होंगे पौधे

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को संस्थान में एक पौधा लगाना होगा। इतना ही नहीं छात्रों को लगाए गए पौधे की देखभाल भी करनी होगी। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि प्रकृति वंदन के प्रति छात्रों का लगाव बढ़ाने के लिए यह काम किया जा रहा है। छायादार और फलदार पौधे लगाने पर जोर रहेगा। पौधा खुद लगाने से छात्रों का उनके प्रति लगाव बढ़ेगा। छात्र चाहें तो पौधों के आगे अपने नाम की स्टिक लगा सकते हैं। इससे उनके जूनियर भी इसके लिए प्रेरित होंगे। बता दें सीएसए में एक नवंबर से नया सत्र शुरू हो रहा है।

---

8 दैनिक जागरण कानपुर, 29 अक्टूबर, 2021

बकरी और मुर्गे की देसी नस्ल सुधारेगा सीएसए

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि(सीएसए) बकरी और मुर्गे की देसी नस्ल सुधारेगा। उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित की जाएगी, जिससे न सिर्फ हृष्ट-पुष्ट रहें, बल्कि बीमारी से दूर रह सकें। यह तैयारी फतेहपुर के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में होगी। वहां सेंटर फार एक्सीलेंस बनेगा।

शासन से 25 लाख रुपये का बजट मिल गया है, जिसके लिए तैयारी शुरू हो गई है। बकरी की बर्बरी, जमुना पारी और बुंदेलखंडी प्रजाति पर काम किया जाएगा, जबकि मुर्गे की कैरी प्रिया, कैरी श्यामा, कैरी उत्तम, कैरी श्वेता, कैरी उज्वला आदि को विकसित करने की तैयारी है। इनकी मदद से अन्य योजनाओं को संचालित किया जा सकेगा।

किसानों को सरकार की ओर से मिलने वाले लाभ और योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। उन्हें इनसे किस तरह से स्टार्टअप कर सकते हैं, उनके बारे में बताया जाएगा। निदेशक प्रसार डा. एके सिंह ने बताया कि सेंटर फार एक्सीलेंस से कृषि तकनीक को बढ़ावा मिलेगा।

वर्ष : 6, अंक : 261 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, शुक्रवार
29 अक्टूबर, 2021
मूल्य ₹ 3.00

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
www.shashwattimes.com

मसूर की आधुनिक खेती से अधिक लाभः प्रसून सचान

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर शस्य विज्ञान विभाग में शोधरत छात्र प्रसून सचान ने बताया कि दलहनी फसलों में मसूर का अपना अलग एक महत्वपूर्ण स्थान है। मसूर दाल जिसे लाल दाल के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि मसूर उत्पादन में भारत का विश्व में दूसरा स्थान है। उन्होंने बताया की मसूर के 100 ग्राम दाने में औसतन 25 ग्राम प्रोटीन, 1.3 ग्राम वसा, 7.8 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 3.2 ग्राम रेशा, 68 मिलीग्राम कैल्शियम, 7 मिलीग्राम लोहा, 0.21 मिलीग्राम राइबोफ्लेविन ,0.51 मिलीग्राम थायमीन और 4.8 मिलीग्राम नियासिन पाया जाता है। जो मानव स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है इसके सेवन से अन्य दालों की अपेक्षा सर्वाधिक पौष्टिकता पाई जाती है। उन्होंने बताया कि रोगियों के लिए यह दाल अत्यंत लाभप्रद है। इसके सेवन से दस्त, बहुमूत्र, प्रदर, कब्ज व अनियमित पाचन क्रिया में लाभकारी है। इसका हरा व सूखा चारा पशुओं के लिए स्वादिष्ट व पौष्टिक होता है। शोध छात्र प्रसून सचान ने किसानों को सलाह दी है कि इसके इससे अधिक पैदावार के लिए मध्य नवंबर तक इसकी बुवाई करते हैं। उन्होंने बताया कि मसूर की उन्नतशील प्रजातियां जैसे- डीपीएल 15, डीपीएल 62, नूरी, के 75, आइ पी एल 81, एलएस 218 प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि समय से बुवाई के लिए 30 से 35 किलोग्राम एवं देर से बुवाई के लिए 50 से 60 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर आवश्यक होता है। तथा उर्वरक 20 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
बीजेपी कई दशकों तक कहीं नहीं जाने वाली... 12 | विश्वविद्यालय अपने शैक्षिक सिस्टम को मजबूत... 03

जन एक्सप्रेस
लखनऊ | शुक्रवार | 29 अक्टूबर, 2021
@janexpressnews @janexpresslive @janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

मानव स्वास्थ्य के साथ मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ाती है जैविक खेती

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में संचालित पांच दिवसीय महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन गुरुवार को मोटा अनाज बढ़ाये रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं तिलहनी फसलों की गुणवत्ता पर प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, पादप प्रजनन डॉ. महक सिंह द्वारा व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर डॉ. पी.के. राठी ने मृदा एवं जल संरक्षण के बारे में बताते हुए कहा कि भूमि को खाली न रखा जाये तथा घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में रोका जाए जिससे मृदा एवं जल संरक्षण किया जा सके। मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खांन ने जैविक खेती पर विस्तृत जानकारी देते हुए जैविक खाद तैयार करने की विधि बताई। उन्होंने बताया कि जैविक खेती से मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर साधना पांडे ने पोषण सम्बंधित कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर डॉ. एस. के . विश्वास ने मशरूम उत्पादन तकनीक पर जानकारी दी।